TULSI *(Ocimum sanctum)*

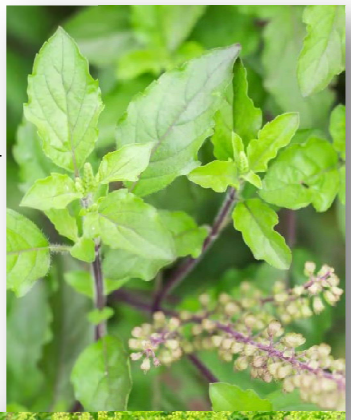

FAMILY : Lamiaceae

पर्याय – अपेतराक्षसी, सुराक्षा, देवदुन्दुभि, ग्राम्या, सुलभा, बहुमंजरी, भूतन्धी, गौरी
चरण गण – श्वासहर
सुश्रुत गण – सुरसादि
स्वरूप – क्षुप

English Name : Indian Basil

MORPH : Shup
Chemical Compo. : Eugenol, Ursolic Acid

रसपंचक

- गुण – लघु रूक्ष
- रस – कटु, तिक्त
- विपाक – कटु
- वीर्य – उष्ण

दोषन्घता – कफ वात शामक पित्त वर्धक
रोगन्घता – उत्तम जन्तुन्घ दुर्गन्धनाशक तथा शोथन्घ है।

आमयिक प्रयोग –

1. तुलसी के रस में नमक डालकार नाम में बूंदे डालने से मूर्च्छा हटती है। हिचकी रूकती है।
2. तुलसी किडनी की कार्यशक्ति को बढाती है। रक्त में स्थित कालेस्टरोल को नियमिक करती है।

प्रयोज्यांग – फल, फलअस्थि, पत्र, त्वक
Dose : 10–20 मिलीलीटर
विशिष्ट योग – त्रिभुवनकिर्ती रस मधरांतक वटी महा ज्वरांकुश रस